नियोबैंक

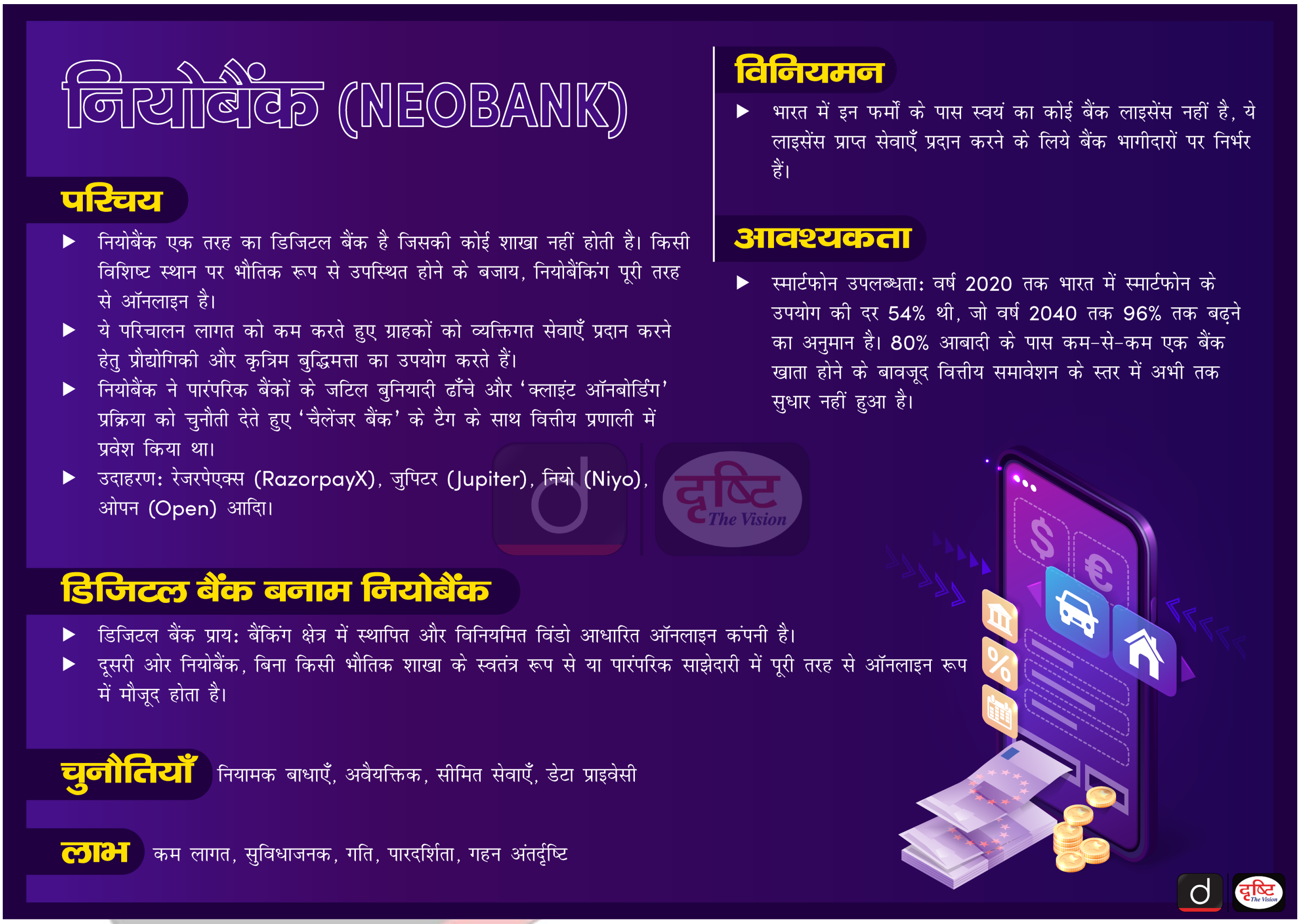

नियोबैंक (NEOBANK)
परिचय
नियोबैंक एक तरह का डिजिटल बैंक है जिसकी कोई शाखा नहीं होती है। किसी विशिष्ट स्थान पर भौतिक रूप से उपस्थित होने के बजाय, नियोबैंकिंग पूरी तरह से ऑनलाइन है।
ये परिचालन लागत को कम करते हुए ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएँ प्रदान करने हेतु प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हैं।
नियोबैंक ने पारंपरिक बैंकों के जटिल बुनियादी ढाँचे और 'क्लाइंट ऑनबोर्डिंग' प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'चैलेंजर बैंक' के टैग के साथ वित्तीय प्रणाली में प्रवेश किया था।
उदाहरण: रेजरपेएक्स (RazorpayX), जुपिटर (Jupiter), नियो (Niyo), ओपन (Open) आदि।
विनियमन
भारत में इन फर्मों के पास स्वयं का कोई बैंक लाइसेंस नहीं है, ये लाइसेंस प्राप्त सेवाएँ प्रदान करने के लिये बैंक भागीदारों पर निर्भर हैं।
आवश्यकता
स्मार्टफोन उपलब्धता: वर्ष 2020 तक भारत में स्मार्टफोन के उपयोग की दर 54% थी, जो वर्ष 2040 तक 96% तक बढ़ने का अनुमान है। 80% आबादी के पास कम-से-कम एक बैंक खाता होने के बावजूद वित्तीय समावेशन के स्तर में अभी तक सुधार नहीं हुआ है।
डिजिटल बैंक बनाम नियोबैंक
डिजिटल बैंक प्राय: बैंकिंग क्षेत्र में स्थापित और विनियमित विंडो आधारित ऑनलाइन कंपनी है।
दूसरी ओर नियोबैंक, बिना किसी भौतिक शाखा के स्वतंत्र रूप से या पारंपरिक साझेदारी में पूरी तरह से ऑनलाइन रूप में मौजूद होता है।
चुनौतियाँ नियामक बाधाएँ, अवैयक्तिक, सीमित सेवाएँ, डेटा प्राइवेसी
लाभ कम लागत, सुविधाजनक, गति, पारदर्शिता, गहन अंतर्दृष्टि

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/neobank-1